



न्यूज़ ब्रीफ

बलोचिस्तान के दलबर्दिन में धमाका, पूर्व अफ़गान कमांडर मतीन आगा घायल



क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान प्रांत के दलबर्दिन इलाके के माउंट तरन में हुए धमाके में अफगानिस्तान सेना के पूर्व कमांडर मतीन आगा गंभीर रूप से घायल हो गए। इस धमाके में अफगान सेना के दो पूर्व जवान भी मारे गए। पत्रकार बहीत बलोच ने अस्पताल में इलाज करा रहे मतीन आगा और घटनास्थल की तस्वीरें शेयर कर इस खबर की पुष्टि की है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान सरकार समर्थित हथियारबंद गुप का एक अहम सदस्य शाहू भी धमाके में मारा गया। बलोचिस्तान में अफगान सेना के पूर्व जवानों की मौजूदगी पर चिंता जताई गई है। आरोप है कि पाकिस्तान सेना इनका इस्तेमाल बलोच नेशनल मुवमेंट के खिलाफ करती है। बलोचिस्तान की आजादी की लड़ाई में सक्रिय हथियारबंद संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी के मुताबिक, खुजदाय में शफीक मेगल के घर पर हुए हमले में अफगान सेना के पूर्व जवान भी मारे गए हैं। बलोच नेशनलिस्ट संगठन (बीवाईसी) और बलोचिस्तान नेशनल पार्टी समेत बलोचिस्तान असंबली के सदस्यों ने भी बलोचिस्तान में अफगान सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों की मौजूदगी पर चिंता जताई है।

दक्षिण एशियाई अमेरिकी मतदाता: ट्रंप से डेमोक्रेट्स की ओर बढ़ता रुझान, मतदाताओं के ऊपर से उतरने लगा ट्रंप का जादू



वाशिंगटन। अमेरिका में 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को वोट देने वाले दक्षिण एशियाई अमेरिकी मतदाताओं में से एक-चौथाई अब आगामी मध्याह्न चुनावों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों का समर्थन करने को तैयार हैं। एक संगठन इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट द्वारा कराए गए एक नए सर्वेक्षण में यह महत्वपूर्ण बदलाव सामने आया है। सर्वे में सामने आया है कि जिन दक्षिण एशियाई अमेरिकी मतदाताओं ने पूर्व में ट्रंप को वोट दिया था, उसमें 67 प्रतिशत अभी भी रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन करते हैं। हालांकि, 25 प्रतिशत मतदाताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे इस बार डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करने वाले हैं। इसके विपरीत, जिन मतदाताओं ने 2024 के चुनाव में कमला हैरिस को अपना वोट दिया था, उसमें से 96 प्रतिशत आगामी चुनावों में भी डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों के पक्ष में ही मतदान करने वाले हैं। इस सर्वेक्षण में 800 पंजीकृत दक्षिण एशियाई मतदाताओं को शामिल किया गया था, जिसमें से 87 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी थे। शेष 13 प्रतिशत मतदाता पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव, अफगानिस्तान और म्यांमा के अलावा कंबोडिया के खमेर समुदाय से संबंधित थे।

व्यापार बंद होने के बावजूद भारत से सामान मंगा रहा पाकिस्तान, दुर्बई सहित तीसरे देशों के जरिए आपूर्ति का दावा

इस्लामाबाद। भारत और पाकिस्तान के बीच आधिकारिक व्यापारिक संबंधों पर प्रतिबंध के बावजूद पाकिस्तानी बाजार में भारतीय सामान पहुंचने का मामला चर्चा में है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के हवाले से सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत से पाकिस्तान के आयात में 69 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। इस दौरान पाकिस्तान ने भारत से करीब 61.74 मिलियन डालर यानी लगभग 5,876 करोड़ रुपये का सामान आयात किया। इसके विपरीत, इसी अवधि में पाकिस्तान से भारत को कोई निर्यात दर्ज नहीं होने का दावा किया गया है। हालांकि, इन आंकड़ों और आयात की प्रकृति की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है। इस घटनाक्रम ने सवाल खड़ा किया है कि जब दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष व्यापार बंद है, तब भारतीय उत्पाद पाकिस्तान तक कैसे पहुंच रहे हैं। व्यापार विशेषज्ञों के मुताबिक, इसका एक संभावित कारण तीसरे देशों के माध्यम से होने वाला व्यापार हो सकता है। इस व्यवस्था में सामान भारत से किसी अन्य देश भेजा जाता है और वहां से फिर पाकिस्तान निर्यात किया जाता है। भारत और पाकिस्तान के रिश्ते वर्ष 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद तनावपूर्ण हो गए थे। भारत ने पाकिस्तान का मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा वापस ले लिया था। इसके बाद अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद हुए घटनाक्रम ने दोनों देशों के संबंधों को और प्रभावित किया। भारत ने पाकिस्तान से संबंधित व्यापार पर कड़े प्रतिबंध लगाए। वहीं, पाकिस्तान ने भी मई 2025 में भारत के साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष व्यापार निलंबित करने की घोषणा की थी। इसके बावजूद पाकिस्तानी बाजार में भारतीय उत्पादों की मांग बने रहने की बात कही जाती है।

नईदुनिया

ईरान के पहाड़ों में पाया जाता है बेहद अनोखा और मायावी सांप

तेहरान

ईरान में 56 साल बाद 3डी स्कैन पूछ की हड्डियों का राज खुला तो सब हैरान रह गए। दरअसल यह पूछ की हड्डियां ईरान के पहाड़ों में पाए जाने वाली एक सांप प्रजाति की है। शोधकर्ताओं के अनुसार, ईरान के दुर्गम और पथरीले पहाड़ों में एक बेहद अनोखा और मायावी सांप पाया जाता है, जो अपनी पूछ के दम पर उड़ते हुए पक्षियों को अपना शिकार बना लेता है।

इस सांप की पूछ का सिरा बिल्कुल एक जीवित मकड़ी की तरह दिखाई देता है। वैज्ञानिक रूप से स्फ़ीडोसेरास्टेस उरारेक्नोइडस और आम भाषा में स्पाइडर-टेल्ड हार्नड वाइपर कहे जाने वाले इस सांप की पूछ दुनिया भर के शोधकर्ताओं के लिए हमेशा से कौतुहल का विषय रही है।

जब यह सांप पत्थरों के बीच खुद को छिपाकर अपनी पूछ को हिलाता है, तो आसमान में उड़ते पक्षी उसे रेंगने वाला कीड़ा समझकर उस पर झपट्टा मारते हैं, और उसी क्षण सांप उन्हें अपना निवाला बना लेता है। हाल ही में अमेरिका के शिकागो स्थित फील्ड म्यूजियम और पोलिश एकेडमी आफ साइंसेज के वैज्ञानिकों ने इस सांप के 56 साल पुराने ऐतिहासिक नमूने (स्पेसिमेन) का पहला 3डी

एक्स-रे स्कैन किया है।

इस अत्याधुनिक जांच के नतीजों ने वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया है। शोधकर्ताओं को अंदेशा था कि मकड़ी जैसी अन्तुड़ी बनावट देने के लिए पूछ के भीतर हड्डियों का कोई खास या अजीब ढांचा होगा, लेकिन स्कैन में पूछ के अंदर कोई भी असमान्य हड्डी नहीं पाई गई। इससे यह स्पष्ट हो गया कि पूछ की यह अद्भुत बनावट केवल बाहरी त्वचा और ऊतकों का कमाल है। इस दुर्लभ सांप का इतिहास भी काफी दिलचस्प रहा है।

वर्ष 1968 में शिकागो के फील्ड म्यूजियम की एक शोध टीम ने ईरान में एक अभियान के दौरान इस सांप को पकड़ा था। हालांकि, उस समय वैज्ञानिकों ने इसे फारसी साँग वाले

वाइपर की ही एक असामान्य प्रजाति मान लिया और म्यूजियम के संग्रह में रख दिया। फील्ड म्यूजियम की वैज्ञानिक सारा रूपन के अनुसार, उस दौर में शोधकर्ताओं को लगा था कि सांप की पूछ के सिरे पर कोई ट्यूमर या बीमारी है। इस गलतफहमी के कारण यह दुर्लभ नमूना लगभग साढ़े तीन दशकों तक म्यूजियम के शेल्फ पर सुरक्षित रखा रहा। इस रहस्य से पर्दा तब उठा जब वर्ष 2003 में वैज्ञानिकों को ईरान में ठीक वैसी ही मकड़ी जैसी पूछ वाला एक और सांप मिला। इसके बाद शुरू हुए गहन अध्ययन के आधार पर वर्ष 2006 में इसे एक बिल्कुल नई प्रजाति के रूप में आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया। अब 56 साल बाद हुए 3डी स्कैन ने उस पुरानी पहेली को सुलझा दिया है।

पुतिन ने अपनी सुरक्षा को बनाया अमेघ, एंटी-ड्रोन और मिसाइल डिफेंस सिस्टम लगाए



मार्को

यूक्रेन युद्ध के लंबा खिंचने के साथ ही रूस की आंतरिक सुरक्षा और सैन्य रणनीति में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। एक तरफ जहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए बड़े पैमाने पर एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किए हैं, वहीं दूसरी तरफ मोर्चे पर सैनिकों की कमी से निपटने के लिए रूस ने अफ्रीकी महाद्वीप से भर्ती अभियान तेज कर दिया है। सेंटैलाइट तस्वीरों और खुफिया विश्लेषणों के मुताबिक नोवागोरोद क्षेत्र के वाल्दाई में स्थित पुतिन के निजी आवास के चारों ओर कम से कम 50 से ज्यादा शार्ट-रेंज एयर डिफेंस टावर स्थापित किए गए हैं। इन टावरों पर पैट्रिसिर और टोर जैसे आधुनिक एंटी-ड्रोन और मिसाइल डिफेंस सिस्टम लगाए गए हैं, जो किसी भी हवाई खतरे को पलक झपकते ही नष्ट कर देंगे। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि वाल्दाई आवास की सुरक्षा व्यवस्था की तुलना मास्को शहर से की जा सकती है, जबकि मास्को की आबादी करोड़ों है और वाल्दाई में बहुत कम लोग रहते हैं। इस सुरक्षा घेरे का मुख्य रुख दक्षिण दिशा यानी यूक्रेन की सीमा की ओर है, जिससे साफ होता है कि रूस को वाल्दाई पर संभावित यूक्रेनी ड्रोन हमलों की

सैनिकों की कमी से निपटने रूस अफ्रीकी देशों के युवाओं की कर रहा सेना में भर्ती

आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले ही रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया था कि यूक्रेन ने पुतिन के इस आवास को निशाना बनाने की कोशिश की थी, हालांकि यूक्रेन और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने ऐसे किसी हमले से इनकार किया था। इसके बावजूद पुतिन के निजी आवास और उससे जुड़े गोपनीय सैन्य परिसरों की सुरक्षा के लिए रेलवे लाइनों से लेकर जलाशयों तक सुरक्षा चौकियां बना दी हैं। दूसरी ओर मोर्चे पर भारी नुकसान झेल रही रूसी सेना अब विदेशी लड़कों पर निर्भर होती दिख रही है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों और जांच आयोगों के निष्कर्षों के मुताबिक रूस ने बुर्ंडी, जिम्बाब्वे, सिएरालियोन, कांगो और कैमरून जैसे गरीब अफ्रीकी देशों से हजारों युवाओं की भर्ती की है। रिपोर्ट के मुताबिक कई मामलों में इन युवाओं को रूस में नागरिक नौकरियों, जैसे ट्रांसपोर्ट या कंस्ट्रक्शन के काम का लालच देकर बुलाया गया और बाद में भारी वेतन, बोनस और रूसी नागरिकता का प्रलोभन देकर युद्ध के मैदान में भेज दिया।

नेतन्याहू ने किया मजबूत दक्षिणपंथी सरकार बनाने का आह्वान

यरुशलम (इजराइल)

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार तड़के एक मजबूत दक्षिणपंथी सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने अरब पार्टियों पर निर्भर सरकार बनाने के खिलाफ चेतावनी दी। यहां लिक्वुड पार्टी के चुनाव मुख्यालय में कार्यकर्ताओं और पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल से नतीजे स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। इसलिए अंतिम गिनती का इंतजार करना चाहिए। द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने कहा, लिक्वुड इजराइल की सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यहूदी और जायानी जनता के बीच और जो लोग यहूदी राज्य का समर्थन करते हैं, उनके बीच दक्षिणपंथी गुट को निर्णायक बहुमत हासिल है। नेतन्याहू ने कहा, हमें एक मजबूत, दक्षिणपंथी, राष्ट्रीय सरकार बनानी चाहिए।

उन्होंने ऐसी सरकार बनाने के खिलाफ चेतावनी दी जो उनके शब्दों में जायानी-विरोधी अरब पार्टियों पर निर्भर हो। उन्होंने इन पार्टियों पर इजराइल के अस्तित्व का विरोध करने और उसके सैनिकों पर हमले करने का आरोप लगाया। उन्होंने उन राजनेताओं को चुनौती दी जो सेना में सेवा देने वालों के गठबंधन की कवालत करते हैं और उनसे पूछा कि वे इन अरब पार्टियों के साथ सहयोग करने के बारे में कैसे सोच सकते हैं।

नेतन्याहू ने अपनी सरकार की सैन्य



उपलब्धियों और अंधूरे कामों का जिक्र किया। उन्होंने ईरानी खतरे को दूर करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ काम करने के एक मोके का जिक्र किया। इस बीच लिक्वुड पार्टी के निवर्तमान सांसद अमित हलेवी ने नेतन्याहू के गुट के लिए शुरुआती अनुमान में बताई गई 50 सीटों पर सवाल उठाया। उन्होंने कर्क दिया कि यह उनके समर्थन को कम करके दिखाता है और यह अंतिम परिणाम नहीं होगा। उन्होंने इस चुनाव को 7 अक्टूबर के हमलों और

तीन साल के युद्ध के प्रति इजराइली समाज की प्रतिक्रिया बताया। हलेवी ने अरब पार्टियों की संभावित ताकत की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक प्रभाव पर उनकी आपत्ति उनकी जातीयता को लेकर नहीं, बल्कि उनकी कट्टरपंथी विचारधारा को लेकर है। इस दौरान लिक्वुड के पुत्रों सदस्य मीर कोहेन से पूछा गया कि नेतन्याहू इस अनिश्चितता से कैसे निपटेंगे और सरकार कैसे बनाएंगे तो उनका जवाब बहुत सीधा था।

काठमांडू एयरपोर्ट पर 14 किग्रा थाई गांजा बरामद, भारत की दो महिला गिरफ्तार



काठमांडू (नेपाल)। काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पुलिस ने 14 किलोग्राम थाई गांजा बरामद किया है। इस संबंध में भारत की दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। इनकी पहचान 46 वर्षीय शबानानु यार मोहम्मद शेख और 35 वर्षीय शरीफा अब्बास के रूप में हुई है। हवाई मार्ग से नेपाल आने वाले यात्रियों की प्रोफाइलिंग के दौरान नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शाखा से तेनात पुलिस टीम ने उन्हें गिरफ्तार किया। दोनों बाटिक एयर की उड़ान से काठमांडू पहुंचीं। पुलिस के अनुसार, दोनों महिलाएं थाईलैंड से मलेेशिया होते हुए नेपाल आईं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के सहायक प्रवक्ता जीवन निरौला ने बताया कि दोनों महिलाओं से पूछताछ की जा रही है।

काठमांडू

नेपाल और भारत के बीच सीमा समन्वय संबंधी सुरक्षा बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत के सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक संजय सिंघल काठमांडू पहुंचे हैं। नेपाल के सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) और भारत के एसएसबी के बीच काठमांडू में सीमा सुरक्षा संबंधी समन्वय बैठक शुरू हो रही है।

सीमा सुरक्षा में तैनात दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच यह उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक पिछले एक दशक से हर साल आयोजित होती रही है। इस बार दसवीं समन्वय बैठक होने जा रही है। बैठक में गृह मंत्रालय, सुरक्षा एजेंसियों और विदेश मंत्रालय के अधिकारी शामिल होंगे। नेपाल-भारत की खुली सीमा से दोनों देश लाभ उठाते रहे हैं।

हालांकि, खुली सीमा का दुरुपयोग कर आपराधिक गतिविधियां भी की जाती हैं। खुली सीमा के जरिए मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, सीमा शुल्क की चोरी, अवैध निर्यात-आयात और अवैध व्यापार दोनों देशों के लिए चुनौती बने हुए हैं।

दूसरी ओर, नेपाल भारत से होने वाली मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण के लिए प्रभावी सहयोग और सूचनाओं के आदान-प्रदान का मुद्दा उठाने की तैयारी में है। नेपाल सीमापार से आने वाले मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए भारतीय पक्ष से और अधिक सहयोग चाहता है। वहीं, भारत आतंकवाद, अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती क्षेत्रों में अर्नाधिकृत आवाजाही और नेपाल से होने वाले शराब के अवैध कारोबार को प्रमुख एजेंडे में शामिल



करने की तैयारी कर रहा है। गंभीर अपराधों में शामिल लोगों के दोनों देशों में जाकर छिपने की समस्या पर भी बैठक में चर्चा होने की संभावना है।

बैठक में तीसरे देशों के नागरिकों की सीमापार आवाजाही की निगरानी का

मुद्दा भी उठाया जाएगा। पिछली बैठक में दोनों देशों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में तीसरे देशों के नागरिकों की आवाजाही पर निगरानी बढ़ाने पर सहमति जताई थी। सीमावर्ती क्षेत्रों में भारत विशेष रूप से बांग्लादेशी और पाकिस्तानी नागरिकों

की आवाजाही को लेकर सतर्क रहा है। वहीं, नेपाल म्यांमार और बांग्लादेश से आने वाले सहयोग समुदाय के लोगों समेत अन्य लोगों की आवाजाही पर निगरानी का आवश्यकता उठाता रहा है।

संयुक्त गश्त और सीमा प्रबंधन सहयोग – इस बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाने पर चर्चा की तैयारी है। संयुक्त सीमा गश्त, सीमा स्तंभों की मरम्मत, सीमापार अपराधों की रोकथाम, सूचनाओं का प्रभावी आदान-प्रदान और दोनों सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श होगा। सशस्त्र प्रहरी बल मुख्यालय हलचोक में अनुसार, बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में आपदा की पूर्वतैयारी और उससे निपटने, सुरक्षा कर्मियों की क्षमता

बढ़ाने, प्रशिक्षण में सहयोग तथा अवैध पदार्थों की तस्करी रोकने के उपायों पर भी चर्चा होगी।

पिछली सहमतियों के कार्यान्वयन पर भी चर्चा – नेपाल और भारत के बीच वर्ष 2012 से वार्षिक समन्वय बैठक आयोजित होती रही है। कोविड-19 महामारी समेत कुछ कारणों से प्रभावित अवधि को छोड़कर यह बैठक नियमित रूप से होती रही है। पिछले वर्ष नौवां समन्वय बैठक भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित हुई थी। उस बैठक में सीमापार अपराधों पर नियंत्रण, मादक पदार्थों की तस्करी रोकने, अवैध निर्यात-आयात पर अंकुश लगाने, अवैध आवाजाही नियंत्रित करने, सूचनाओं के आदान-प्रदान, संयुक्त सीमा गश्त और सुरक्षा प्रशिक्षण में सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई थी।